नर सेवा

नारायण सेवा

सेवा भारती अवध प्रांत

सेवा परमो धर्मः

न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं ना पुनर्भवम् ।
कामये दुःखतप्तानां प्राणिनामार्तिनाशनम् ॥

**अर्थ -न मुझे राज्य की इच्छा है न स्वर्ग की, ना मोक्ष की।
मैं केवल दुःखों से तप्त प्राणिमात्र व्यथा को हरना चाहता हूँ ।**

पंजीकरण संख्या :- 287-2010-2011

आर्थिक सहयोग आयकर की धारा 80जी केअंतर्गत आयकर मुक्त है।

sewabharatiawadh@gmail.com

www.sewabharatiawadh.org

+91-7007309995 ,+91-8789614820

भरत भवन , कुंडरी रकाबगंज , लखनऊ , उत्तर प्रदेश 226004

@सेवाभारती अवध प्रान्त

संगठन परिचय

परिचय

सेवा भारती समाज में संचालित एक सेवा संगठन है। हमारे समाज में एक वर्ग ऐसा है जो सदियों से वंचित,उपेक्षित,पीड़ित एवं निर्धन जीवन जी रहा है ।ऐसा वर्ग सामान्यतया एक नगर में समूह के रूप में अलग-अलग स्थान पर निवास करता है जिन्हें हम सेवा बस्ती कहते हैं।

सेवा भारती का मूल उद्देश्य सेवा बस्ती में रहने वाले इन वंचित,उपेक्षित,पीड़ित एवं निर्धन लोगों को स्वावलंबी बनाकर सामाजिक सम्मान देते हुए समाज की मुख्य धारा के साथ आत्मसात करना है । अपने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उन्नत समाज के सहयोग से इन सेवा बस्तियों में शिक्षा,स्वास्थ्य ,स्वावलंबन और सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा भारती कार्य करती है। उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ही समाज के मनीषियों ने वर्ष 2010 में सेवा भारती का गठन किया। अपने गठन के बाद से अब तक सेवा भारती समाज में होने वाले सेवा कार्यों का पर्याय हो गया है।समाज के ऊपर जब भी कोई विपदा आई हो सेवा भारती ने आगे बढ़कर उसका सामना किया एवं समाज के लोगों को उस विपदा से उभरने में पूरा सहयोग किया। विभिन्न प्रदेशों में बाढ़ भूस्खलन जैसे प्राकृतिक आपदाओं में सेवा भारती के सेवा भावी कार्यकर्ता सदैव अग्रणी भूमिका में रहे हैं।विश्व में कोरोना जैसे आपदाओं में से भारत का एक संतोषजनक रूप में उभरने में भी सेवा भारती के सहयोग की सर्वत्र प्रशंसा की गई। राष्ट्र एवं समाज निर्माण के इस कार्य में समाज के सभी लोगों को साथ लेते हुए सेवा बस्ती के हमारे उन बंधुओं का उन्नयन करना ही सेवा भारती का मुख्य उद्देश्य है।

दृष्टिकोण

स्वैच्छिक संस्थाओं और समर्पित कार्यकर्ताओं के माध्यम से देश के वंचित, उपेक्षित, पीड़ित और अभावग्रस्त बंधुओं को शिक्षित, स्वावलंबी और सशक्त बनाने का प्रयास किया जाता है। इसके माध्यम से हम एक सुदृढ़ राष्ट्र और समरस समाज की ओर बढ़ रहे हैं।

उद्देश्य

प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओ की स्थिति में व्यापक आपदा प्रबंधन प्रभावित व्यकिओ / समुदायों के बचाव, राहत और पुनर्वास सम्बन्धी कार्य। समाज कल्याण और विकास के महत्त्व के बारे में जन जागरुकता । समग्र (समन्वित) ग्रामीण विकास।भारतीय विचार (भारतीय संस्कृति) आधारित जीवन मूल्यों का रोपण और विकास।शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवाओ और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में प्रशिक्षण।आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण की देखभाल करने और व्यसनो से मुक्त सामंजस्यपूर्ण समाज में रहने के लिए प्रेरित करना। महिलाओं और बच्चो के विकास के माध्यम से आत्मनिर्भरता और सामाजिक जागरुकता को बढ़ावा देना।

सेवा भारती अवध प्रान्त द्वारा सेवा कार्य

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सेवा भारती के अंतर्गत चार आयाम निश्चित किए गए हैं जिनके माध्यम से ही समस्त सेवा कार्य संचालित किये जा रहे हैं :-

शिक्षा: शिक्षा संस्कार केंद्र एक अद्वितीय पहल है जिसका उद्देश्य 5 से 12 वर्ष की ऐसी बालिकाओं और बालकों को शिक्षित करना है जो स्कूल नहीं जा पाते हैं या जिनकी अकादमिक प्रगति कमजोर है। इसके अलावा, यह केंद्र निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाने, गरीब छात्रों के लिए कोचिंग सेंटर चलाने, वाचनालय स्थापित करने और छात्रावास प्रदान करने का कार्य भी करता है।

इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक करने के लिए, निम्नलिखित चरणों पर कार्य किया जा रहा है :-

- समुदाय से संपर्क करना : समुदाय के वरिष्ठ लोगों एवं माता-पिता से मिलना और उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना ।
- शिक्षा केंद्र स्थापित करना : समुदाय के बीच में ही एक शिक्षा केंद्र स्थापित करना जिससे बच्चों को आसानी से शिक्षित एवं संस्कारित किया जा सके ।
- योग्य शिक्षकों की नियुक्ति करना : योग्य और समर्पित शिक्षकों को नियुक्त करना जो बच्चों को शिक्षित एवं संस्कारित करने में रुचि रखते हों।
- अनुकूल शिक्षा योजनाएं तैयार करना : बच्चों की विभिन्न शैक्षिक एवं संस्कारित आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुकूल योजनाएं तैयार करना।
- स्कूल में नामांकन का प्रोत्साहन देना : बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताना और उन्हें विद्यालय में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करना ।

इस प्रकार, हम बच्चों को शिक्षित, संस्कारित, जागरूक, चैतन्य, तेजस्वी और राष्ट्रभक्त नागरिक बनाने का प्रयास कर रहे हैं ।

> “शिक्षा हमारे भविष्य की नींव है, जिसे हमें मजबूती से निर्माण करना चाहिए।”

स्वास्थ्य:

स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने के लिए सेवा भारती ने कुछ उचित दिशाओं में कदम उठाये हैं एवं निम्नलिखित चरणों पर कार्य किया जा रहा है :-

1. स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम : स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आमतौर पर जनसंख्या को स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी और जागरूकता प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जाते हैं। इनमें स्वास्थ्य संबंधित विषयों पर व्यावसायिक और व्यक्तिगत जानकारी शामिल होती है।

2. चिकित्सा शिविर : चिकित्सा शिविर में लोगों को नियमित चिकित्सा जांच और स्वास्थ्य सेवाओं के लाभ के बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें चिकित्सा परीक्षण, वैक्सीनेशन, स्वास्थ्य संबंधित सेवाएं एवं अन्य गतिविधियाँ शामिल होती हैं।

3. योग अभ्यास केंद्र : योग अभ्यास केंद्र के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने के लिए योगाभ्यास की जागरूकता प्रदान करते हैं क्योकि योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्थिति को सुधारा जा सकता है।

4. चिकित्सा केंद्र : चिकित्सा केन्द्रों में अलग अलग चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से विभिन्न रोगों के उपचार में सहयोग करते हैं, जैसे कि होम्योपैथिक, एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, और न्यूरोपैथी। ये केंद्र विभिन्न रोगों के उपचार में मदद करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को प्रोत्साहित करते हैं।

> “स्वस्थ नागरिक किसी भी देश की सबसे बड़ी संपत्ति हैं।”

स्वावलंबन : स्वावलंबन के प्रति जागरूकता से बस्तियों में महिलाएं एवं पुरुष एक स्वावलंबी, स्वाभिमानी जीवन जी सकते हैं इसके महत्व को समझते हुए सेवा भारती विभिन्न बस्तियों में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से पिछले कई वर्षों से सफलतापूर्वक लोगों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, साथ ही विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

1.मेहँदी एवं सौन्दर्य प्रशिक्षण केंद्र : इन केन्द्रों के माध्यम से महिलाओं विशेषकर युवतियों को रचनात्मक रूप से सुद्रिण बनाते हुए उनमे स्वावलंबी बनने के साथ साथ आत्मसम्मान की भावना को निखारने का प्रशिक्षण दिया जाता है ।

2.कढ़ाई, सिलाई, बुनाई प्रशिक्षण केंद्र : यहाँ पर महिलाओं और पुरुषों को कढ़ाई, सिलाई, और बुनाई का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह कौशल उन्हें स्वावलंबी बनाने में मदद करता है।

3.कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र : यहाँ पर कंप्यूटर से संबंधित विषयों का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह उन्हें आधुनिक तकनीकी कौशल को विकसित करने में मदद करता है।

4.जैविक खाद और पंचगव्य केन्द्र : यहाँ पर देसी गाय के गोबर, मूत्र, दूध, दही, और घी से विभिन्न प्रकार की औषधियों का निर्माण करने की विधि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

5.हस्त शिल्प केन्द्र : यहाँ पर गोबर, मिट्टी एवं अन्य उपयोगी एवं अनुपयोगी वस्तुओं से दीपक,मूर्तियाँ,राखी एवं विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह एक ओर आर्थिक दृष्टि से तो वहीँ दूसरी ओर सांस्कृतिक दृष्टी से अति महत्वपूर्ण है।

6.वैभव श्री केन्द्र : वैभवश्री का उद्देश्य समूहों के माध्यम से समूह के सदस्यों के अन्दर आर्थिक पक्ष के साथ सामाजिक एवं राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने का है,यह विभिन्न समूहों में समरसता व् एकरूपता के साथ कार्य करने की गुणवत्ता को बढ़ाने का मुख्य आधार भी बनता जा रहा है ।

इस प्रकार स्वावलंबन केन्द्रों के द्वारा विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण देने से लोग स्वाभिमानी और स्वावलंबी जीवन जीने की दिशा की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

> “उद्यमेन हि सिद्धन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
> न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।”

सामाजिक : सेवा भारती विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से समय समय पर समाज में सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से विशेषकर वर्त्तमान में युवा पीढ़ी के मानस पर पड़ रहे विभिन्न बाहरी दुष्प्रभावों को निष्फल करने के साथ उन्हें अपने सांस्कृतिक मूल्यों की पहचान के साथ साथ समरसता का भाव जगाने का महत्वपूर्ण कार्य निरंतर कर रही है। ये कार्यक्रम विभिन्न अवसरों पर आयोजित होते हैं और समाज के सदस्यों को एक साथ आने का मौका प्रदान करते हैं।

कुछ प्रमुख सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम :

1.भजन मंडली: ये कार्यक्रम विभिन्न स्थानों पर निश्चित दिवस में आयोजित होते हैं जिसके माध्यम से भगवान की भक्ति और संगीत के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत बनाये रखने के साथ साथ समरसता व् एकात्म का भाव जागृत करने का प्रयास किया जा रहा है। इनमें भक्तिभाव से गाए जाने वाले भजन किये जाते हैं एवं विशेष दिनों में अलग अलग प्रकार से सांस्कृतिक आयोजन भी होते हैं।

2.यज्ञ हवन: यज्ञ हवन धार्मिक अनुष्ठान है जिसमें अग्नि के माध्यम से देवताओं की पूजा की जाती है। ये आध्यात्मिक उन्नति और शांति के लिए किए जाते हैं।

3.महापुरुषों की जयंती: महापुरुषों की जयंती पर उनके जीवन और योगदान को स्मरण किया जाता है। इसमें उनके उपदेशों का पाठ और उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं का विवरण सम्मिलित होता है।

4.कन्यापूजन: कन्यापूजन एक पारंपरिक संस्कृति है जिसमें युवा कन्याओं की पूजा की जाती है। इसके माध्यम से उन्हें आशीर्वाद दिया जाता है साथ ही वर्तमान युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक धरोहरों व् मूल्यों के प्रति जागरूक होने का अवसर भी प्राप्त होता है।

> “जीवन में एक लक्ष्य के प्रति समर्पित होना कुछ इस प्रकार है कि संघर्षों के पथ पर सफलता के लिए साहासिक कदम उठाना।”

सेवा भारती अवध प्रान्त द्वारा अन्य गतिविधियाँ सेवा कार्य

आपदा राहत कार्य :

1.प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं समय-समय पर समाज एवं देश में आती रहती है, ऐसी स्थिति में समाज के आपदा पीड़ित लोगो को आपदा से बचने के लिए प्रशिक्षण वर्ग प्रान्त स्तर और जिला स्तर पर आयोजित किये जाते है।

2.प्राकृतिक आपदा के समय हम संबन्धित प्रांत और जिला की प्रतिनिधि संस्था से समन्वय स्थापित कर, जानमाल की हानि का अनुमान कर, सहायता और पुनर्वास की योजना बनाकर कार्य करते हैं।

3.विभिन्न चिकित्सकों के द्वारा उचित परामर्श देना।

4.जरूरतमंद लोगों के लिए सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध कराना एवं Helpline नम्बर जारी कर सहयोग करना ।

वैभवश्री :

1. वैभवश्री का उद्देश्य समूहों के माध्यम से समूह के सदस्यों के अन्दर आर्थिक पक्ष के साथ सामाजिक एवं राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने का है।

2. वैभवश्री समूहों के सदस्यों को समाज एवं राष्ट्र सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करती है,

3. सम्पूर्ण अवध प्रान्त में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्यों का उदाहरण देखने को मिलता है।

4. अवध प्रान्त में वैभवश्री द्वारा 2 प्रकल्प चलाये जा रहे हैं। कुल लाभांवित 12

किशोरी विकास :

सेवा भारती ने समाज में किशोरियों के भटकाव को देखते हुए किशोरी विकास योजना की शुरुआत की है। इस योजना के अंतर्गत, पढ़ी-लिखी और संस्कारवान बहनें विभिन्न बस्तियों में जाकर किशोरियों को बौद्धिक स्तर बढ़ाने और उन्हें भविष्य में होने वाले परिवर्तन और खतरों से बचने की शिक्षा देती हैं।इसके अलावा, सेवा भारती ने किशोरियों को आत्मरक्षा के लिए जूडो कराटे(आत्मसुरक्षा) का प्रशिक्षण देने की पहल भी की है। इसके साथ-साथ, यह योजना किशोरियों के सर्वांगीण विकास के लिए लोक नृत्य, मेंहदी, लोकगीत, ब्यूटी पार्लर चलाने आदि जैसे कोर्स भी प्रदान करती है।यह प्रशिक्षण वर्ग प्रान्त स्तर और जिला स्तर पर आयोजित किए जाते हैं। इस प्रकार, सेवा भारती की यह पहल किशोरियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

सेवा कार्य प्रकार व संख्या - सेवा भारती

शिक्षा : 72

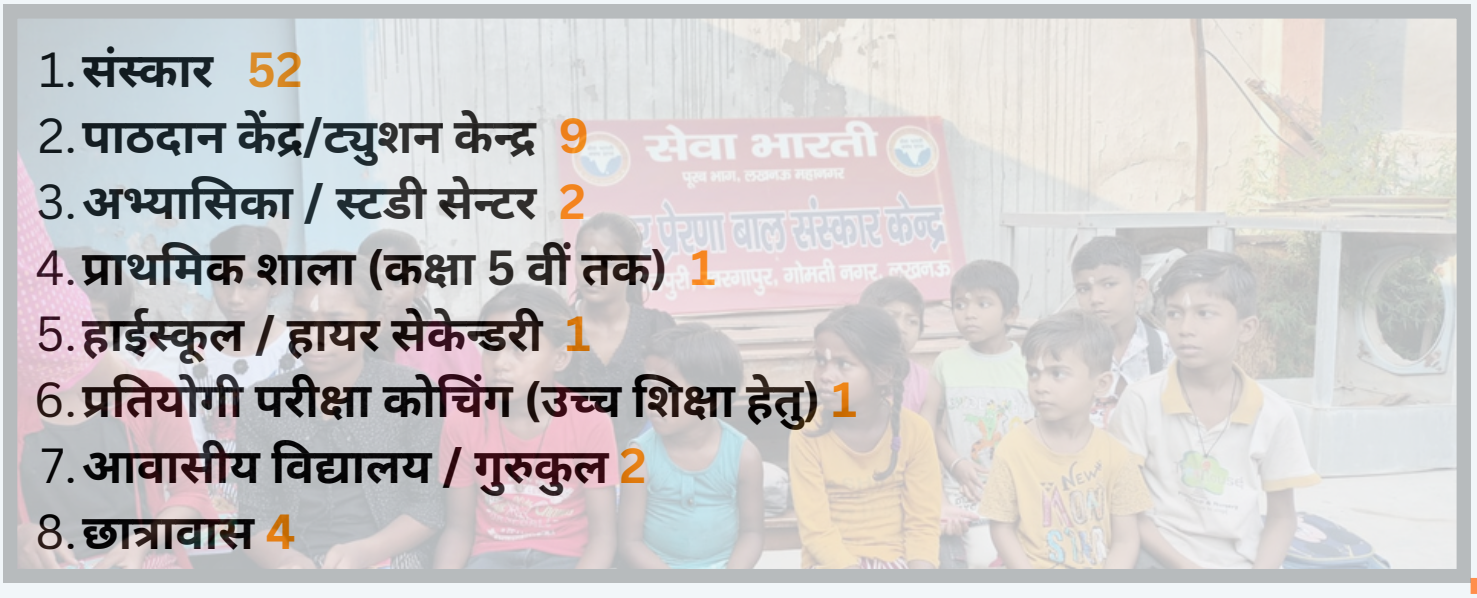

1. संस्कार 52
2. पाठदान केंद्र/ट्युशन केन्द्र 9
3. अभ्यासिका / स्टडी सेन्टर 2
4. प्राथमिक शाला (कक्षा 5 वीं तक) 1
5. हाईस्कूल / हायर सेकेन्डरी 1
6. प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग (उच्च शिक्षा हेतु) 1
7. आवासीय विद्यालय / गुरुकुल 2
8. छात्रावास 4

स्वास्थ्य : 43

1. ग्रामीण आरोग्य रक्षक / मित्र, आरोग्य पेटिका 1
2. स्वास्थ्य जागरण केंद्र 4
3. चलित चिकित्सालय (Mobile Dispensary) 5
4. स्थिर चिकित्सा केन्द्र (O.P.D.) छोटे / रुग्णालय 20
5. स्थिर चिकित्सालय (आवासीय) / अस्पताल (बड़े) 2
6. स्रण सहायता 2
7. न्यूरोथेरपी, फिजीओथेरपी, योग थेरपी, डायलेसिस 1
8. रक्तकोष / ब्लड बैंक 1
9. रुग्ण उपयोगी सामग्री केन्द्र 1
10. नेत्र कोप 2
11. योग शिक्षा केंद्र 3
12. औषधि केंद्र 1

स्वावलंबन : 18

1. स्वयं सहायता समूह (वैभव श्री) 2
2. सिलाई केंद्र 9
3. सौंदर्य प्रशिक्षण केंद्र/ मेहंदी प्रशिक्षण केन्द्र 4
4. स्वरोजगार केंद्र
   (राखी,विद्युत लड़ियाँ, सजावट, खाद्य सामग्री आदि) निर्माण 2
5. व्यवसाय तथा कौशल,अन्न और फल प्रक्रिया प्रशिक्षण 1

सामाजिक : 77

1. भजन मंडली 39
2. किशोरी विकास 8
3. मातृमंडली / सत्संग 2
4. अन्नदान केन्द्र 4
5. परिवार / कानूनी सहायता सलाह (Counselling) 7
6. वाचनालय / पुस्तकालय (सामाजिक) 1
7. अन्य सामाजिक 16

आयामश: सेवा कार्य सेवा भारती

सेवा बस्ती तथा सामान्य बस्ती के कार्य के नगरीय अंतर्गत है :

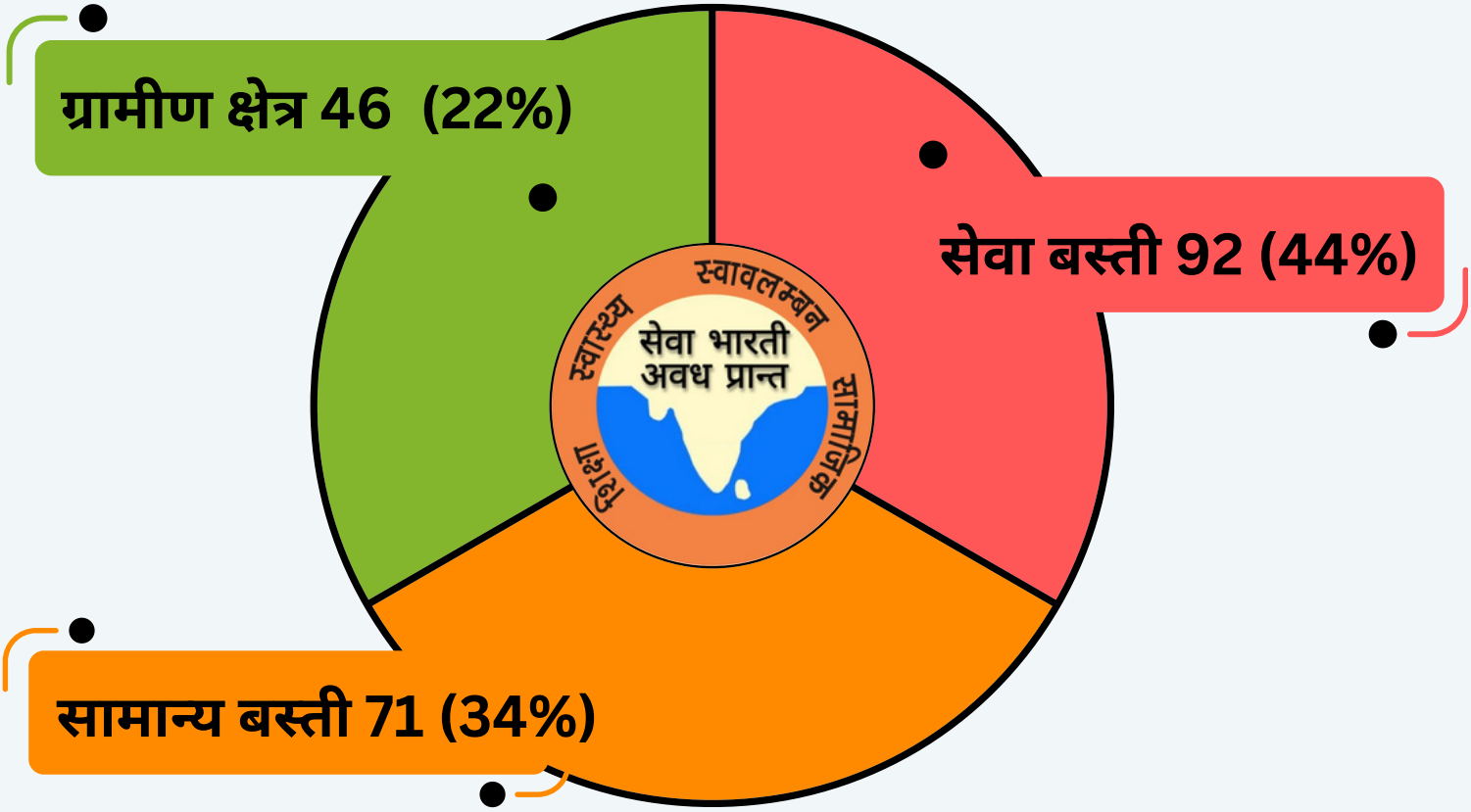

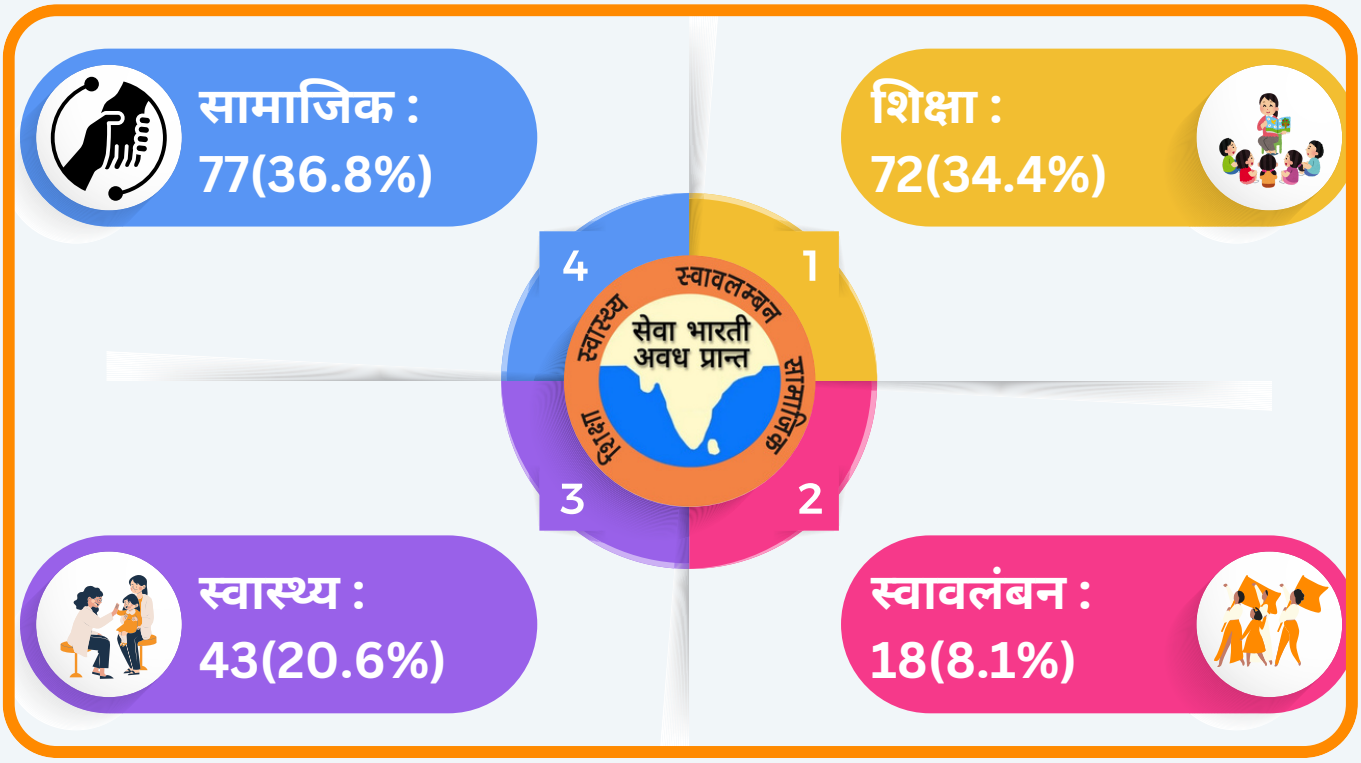

सेवा भारती का सहयोग कैसे करें ?

1. अपनी योग्यतानुरूप समय का दान देकर।
2. अपने सामर्थनुसार आर्थिक सहयोग देकर।
3. परिवार के मंगल अवसर पर सहयोग देकर।
4. अपने आस-पास समाज के ऐसे बन्धु-भगिनी जिनकों सहयोग/सेवा की आवश्यकता है उनको सहयोग देकर।
5. राष्ट्रीय आपदा के समय अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सक्रिय कर।
6. सेवा भारती के हितचिंतक परिवार योजना से जुड़ सकते है।
7. परिवार, रिश्तेदार एवं मित्रों को सेवा में सहयोग की प्रेरणा देकर।
8. सेवा भारती के प्रकल्प दर्शन भ्रमण कार्यक्रम की योजना बनाकर और सेवा भाव जागृत कर।

SEWA BHARTI
5201-XXXXXXX-6377

Sewa Bharti
Union Bank of India, Gomit Nagar ,Lucknow
Account No : 520101010996377
IFSC CODE: UBIN0905291
सेवा भारती को दिया गया दान, आर्थिक सहयोग आयकर की धारा 80 जी के अन्तर्गत आयकर मुक्त है।

योगदान / दान हेतु आप सीधे सेवा भारती के वेबसाइट www.sewabharatiawadh.org पर कर सकते हैं।

फोटो गैलरी

सेहत का आधार
OnePlus

National
Pathology Clinic
Timing: 09 to 06 PM
Monday Closed

सेवा भारती

भरत भवन , कुंडरी रकाबगंज , लखनऊ ,
उत्तर प्रदेश 226004

+91-7007309995 ,+91-8789614820

sewabharatiawadh@gmail.com

www.sewabharatiawadh.org